卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा卐卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः। आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्।
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये।

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 29 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦5 नवम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

सुप्रीम कोर्ट ने मदरसों को दी राहत

यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द करने का हाईकोर्ट का फैसला खारिज

नई दिल्ली(उद संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को संवैधानिक करार दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द किया गया था। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के फैसले के बाद राज्य के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने माना कि एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं। कोर्ट ने कहा कि यूपी मदरसा अधिनियम केवल इस हद तक असंवैधानिक है कि यह फाजिल और कामिल के तहत उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करता है, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है। उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को असांविधानिक बताने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस कानून को पूरी तरह से वैध करार दिया है।कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए कानून को मान्यता दे दी है। इससे पहले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ (शेष पृष्ठ 7पर)

बस की चपेट में आने से पिता पुत्री की मौत

उत्तरकाशी (उद संवाददाता)। पहाड़ों पर हादसे थम नहीं रहे हैं। देहरादून मोटर मार्ग पर बस की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्ची की घटना स्थल पर मौत हो गई।जबकि मोटर साइकिल चला रहे बच्ची के पिता को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया उन्होंने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह एक बस नौगांव से देहरादून के लिए चली थी, एक किमी आगे पहुंचने पर सामने से आ रहा मोटरसाइकिल सवार बैंड पर टर्न लेने की वजह से बस के पिछले हिस्से से टकरा गया, जिससे चार वर्षीय बच्ची छिटक कर बस के टायर के नीचे आ गई। इससे उसकी (शेष पृष्ठ 7पर)

शोक में डूबा उत्तराखंड सादगी से मनेगा स्थापना दिवस

देहरादून (उद संवाददाता)।अल्मोड़ा के मरचूला में सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे के बाद पूरा उत्तराखण्ड शोक में डूबा है, जिसके चलते उत्तराखंड सरकार ने अब राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम सादगी से मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि हमारी सरकार हर पल मृतकों के परिजन और घायलों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा आगामी नौ नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम सादगी से मनाए जाएंगे। इसके साथ ही धामी सरकार ने कई संस्कृति कार्यक्रम भी स्थगित कर दिए हैं। बता दें पूर्व में सरकार ने राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने का फैसला किया था। इसके साथ ही ऐलान किया था कि सालभर राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नशे के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

विधायक अरविंद पाण्डे के आहवान पर पद यात्रा में जुटी भारी भीड़

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र में नशा माफियाओं युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद किये जाने के खिलाफ विधायक अरविंद पाण्डे के नेतृत्व में हजारों लोगों ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर जनजागरण पद यात्रा निकाली। चक्की मोड़ से दिनेशपुर तक निकाली गयी पद यात्रा में शामिल लोगों ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आहवान किया। बता दें दिनेशपुर क्षेत्र में बढ़ती नशे की तस्करी को लेकर विधायक अरविंद पाण्डे ने पिछले दिनों नशा माफियाओं के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान किया था जिसके तहत आज चक्की मोड़ के रामलीला मैदान से पद यात्रा निकाली गयी। पद यात्रा में हजारों (शेष पृष्ठ सात पर)

सरकार उठाएगी मासूम शिवानी की देखभाल की जिम्मेदारी

देहरादून (उद संवाददाता)। मरचूला बस हादसे में अपने माता–पिता को खोने वाली मासूम शिवानी की देखभाल की जिम्मेदारी धामी सरकार उठाएगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अल्मोड़ा के मार्चुला में हुए बस हादसे से हम सभी के हृदय को गहरा आघात पहुंचा है। सीएम धामी ने कहा कि इस कठिन समय में हमारी सरकार ने दुर्घटना में अपने माता–पिता को खोने वाली शिवानी बिटिया की देखभाल और शिक्षा की जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया है, ताकि वह जीवन में आगे बढ़कर स्वयं और माता–पिता के सपनों को साकार कर सके। बता दें मासूम शिवानी भी बस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुयी है उसका उपचार ऋषिकेश एम्स में चल रहा है। हादसे ने उसके सिर से माता पिता का साया छीन लिया है। हादसे के बाद शाम करीब साढ़े तीन बजे बच्ची को रामनगर अस्पताल से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश रेफर कियाग या था। शिवानी के पिता मनोज रावत रामनगर में उद्यान विभाग के अंतर्गत फल संरक्षण में ट्रेनिंग सुपरवाइजर पद पर कार्यरत थे और मां चारू रावत गृहिणी थीं। रावत दंपती रामनगर में ईदगाह रोड पर आस्थान के फ्लैट में अपनी बेटी शिवानी के साथ किराये पर रहते थे। सीएम ने कहा कि इस दु:खद घटना में जिन्होंने अपने परिजनों को खोया (शेष पृष्ठ सात पर)

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। शादी का झांसा देकर एक युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित युवती ने पुलिस को तहरीर सौपकर कार्रवाई ही की गुहार लगाई है। शक्तिफार्म निवासी युवती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि 2022 में उसकी मुलाकात निपू बरोई निवासी जोशी कॉलोनी न्यूरिया जिला पीलीभीत से एक कथा में हुई थी। निपू बरोई उसके मोबाइल पर फोन कर बात करने लगा। आरोपी उससे शादी की बातें करने लगा था। वह उसकी बातों में आ गई। एक जनवरी 2023 को वह उसे नैनीताल ले गया। जहां शादी करने का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब उसने इस बात की शिकायत करने की बात कही तो उक्त निपु बोराई ने कहा कि वह जल्दी ही उससे शादी कर लेगा। इस पर वह उसकी बातों में आ गई और शिकायत नहीं की। बार–बार शादी की बात कहने पर युवक बीते चार अप्रैल को उसे अपने साथ मुम्बई ले गया। आरोपी ने झांसा दिया कि वह मुंबई में जाकर शादी कर लेगा। मुम्बई में भी वह आजकल कहकर टाल मटोल करने लगा और कई बार शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। युवती द्वारा शादी की बात कहने पर आरोपी ने धमकी दी कि उसका अश्लील वीडियो इंटरनेट में अपलोड कर देगा। जैसे तैसे वह अपने घर आई तथा घटना (शेष पृष्ठ सात पर)

‘बड़े सड़क हादसे’ से उपजे छोटे-छोटे ‘सुलगते सवाल’

और कितनी जान लेगी उत्तराखंड की बदहाल परिवहन व्यवस्था? खराब सड़कों तथा खतरनाक मोड़ों पर पैराफिट एवं क्रैश बैरियर के अभाव पर कब तक डाला जाएगा पर्दा ?

-अर्श-

देहरादून। उत्तराखंड के बड़े एवं भयावह सड़क हादसों की लंबी फेहरिस्त में बीते रोज सल्ट में हुआ एक और दर्दनाक सड़क हादसा जुड़ गया। इस हादसे ने ढाई साल पहले धूमाकोट में हुए, उस हादसे के जख्म हरे कर दिए ,जिसमें बारातियों से भरी एक बस ओवर स्पीड के चलते पैराफिट तोड़कर खाई में जा गिरी थी। परिणाम स्वरूप 33 बाराती घटनास्थल पर ही मौत की आगोश में समा गए थे। पूर्ववर्ती आदेशों की तरह इस हृदय विधायक हादसे को लेकर भी फौरी शासकीय सक्रियता एवं संवेदनशीलता की आड़ में दुर्घटना की मूल वजह पर पर्दा डालने की कोशिश आरंभ हो गई है। उल्लेखनीय है कि दुर्घटना के तुरंत बाद आनन फानन एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित कर दिया गया तथा मृतकों के लिए चार–चार लाख एवं घायलों के लिए एक लाख की मुआवजा राशि का ऐलान कर दुर्घटना की जांच का जिम्मा कुमाऊं कमिश्नर को सौंप दिया गया है। बावजूद इसके यह सवाल निरंतर बड़ा होता जा रहा है कि राज्य में हुई पिछली बड़ी सड़क दुर्घटनाओं की जांच के निष्कर्ष से उत्तराखंड सरकार ने आज तक क्या सबक लिए और ऐसी दुर्घटनाओं से बचने एवं जर्जर परिवहन व्यवस्था में सुधार की दिशा के लिए सरकारी स्तर पर गंभीर कारगर प्रयास कब होंगे? सल्ट में हुई भीषण सड़क दुर्घटना की मुख्य वजह ओवरलोडिंग और ओवर स्पीडिंग बताया जा रहा है लेकिन यूं जान पड़ता है जैसे निलंबन एवं जांच के आदेश तथा मुआवजे की आड़ में दुर्घटना की कुछ अन्य प्रमुख वजहों की अनदेखी भी की जा रही है ।बस दुर्घटना में मौत के मुंह से निकले प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार घटनास्थल से तकरीबन आधा किलोमीटर पहले ही खराब सड़क के कारण बस बुरी तरह हिचकोले खाने लगी थी ,जिस पर बस की ड्राइवर ने यात्रियों से कहा था कि जिसे बस से उतरना हो वह उतर जाए,लेकिन यात्रियों ने मौत का सफर जारी रखा । आशय यह कि साल्ट सड़क दुर्घटना में थोड़ा बहुत योगदान जर्जर सड़क का भी है। इसके अलावा हादसे वाली सड़क पर तीव्र मोड वाली जगहों पर पैराफिट और क्रैश बैरियर भी नहीं थे। अगर घटना वाली जगह पर ये होते तो शायद यह बड़ा हादसा होने से रोका जा सकता। राज्य में अब तक हुई बड़ी सड़क दुर्घटनाओं की जांच में दुर्घटनाओं की जो मुख्य वजह सामने आई है, वह ओवर स्पीडिंग, ओवरलोडिंग, (शेष पृष्ठ सात पर)

42 सीटर बस में 63 यात्री हुए ओवरलोडिंग का शिकार

खचाखच भरी बस में भरते रहे सवारी: नहीं मानी चालक की बात, दीवाली के त्यौहार में आये थे गांव

रामनगर(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड के मार्चूला में हुई भीषण बस दुर्घटना प्रदेशवासियों को गहरा जख्म दे गई है। दुर्घटना से देर भली की यह कहावत एक बार फिर चरितार्थ हो गई , लेकिन लोग आखिर कब सब लेगे यह सवाल भी हर सख्स के जेहन में उठ रहा है। सोमवार को अल्मोड़ा बस हादसे में 36 जिंदगियां खत्म हो गई। हादसे में लोगों और सरकारी सिस्टम की घोर लापरवाही भी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बस की कमानी टूटने से हादसा हुआ। गढ़वाल मोटर यूजर्स कॉपरेटिव सोसायटी (यूजर्स) की 42 सीटर बस में करीब 63 यात्री सवार थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंडलायुक्त दीपक रावत को मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए हैं और तत्काल प्रभाव से पौड़ी और रामनगर के दो एआरटीओ को निलंबित कर दिया है। जिन्हें निलंबित किया गया है उनमें प्रभारी संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) पौड़ी गढ़वाल कुलवंत सिंह और रामनगर की परिवहन अधिकारी एवं प्रभारी एआरटीओ नेहा झा हैं। बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुई ओवरलोडिंग बस में जान गंवाने वाले अधिकतर वे लोग थे जो दिवाली का त्योहार मनाने अपने गांव आए थे। छुट्टी खत्म होने पर जल्दी घर पहुंचने की जल्दबाजी में पहले से भरी बस में लोग सवार हो गए। किसी को भी आभास नहीं था कि मंजिल पर पहुंचने से पहले ही एक हादसा इस सबकी जान ले लेगा। अल्मोड़ा जिले के सल्ट विकासखंड के मरचूला में यात्रियों से खचाखच भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 फुट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। रामनगर अस्पताल में 34 घायल लाए गए थे। इनमें से आठ की यहां मौत हो गई। छह घायलों को एयरलिफ्ट कर ऋषिकेश भेजा गया, जबकि 11 को अन्यत्र रेफर कर दिया गया है। नौ लोग रामनगर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बताया जा रहा है कि बस की कमानी टूटने से हादसा हुआ। गढ़वाल मोटर यूजर्स कॉपरेटिव सोसायटी (यूजर्स) की 42 सीटर बस में करीब 63 यात्री सवार थे। वहीं, घटनास्थल से आधा किलोमीटर पहले ही चालक को आगे कुछ अनहोनी का आभास हो गया था। चालक ने यात्रियों से कहा था किसी को उतरना है तो उतर जाए क्योंकि आगे सड़क खराब है। बस से कोई यात्री नहीं उतरा। यदि यात्रियों ने चालक की मान ली होती तो कइयों की जान बच जाती। मरचूला-गौलीखाल-मोटर मार्ग पर मरचूला के पास सोमवार सुबह हुए बस हादसे को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। घटना में बचे कई यात्री घटनास्थल पर पहुंचे प्रशासन के अधिकारियों को यह बताते भी नजर आए कि जिस स्थान पर हादसा हुआ है उससे करीब आधा किलोमीटर पहले सड़क में फंसकर बस डोलने लगी थीं तो चालक ने बस रोककर कहा था कि किसी को उतरना है तो वह उतर सकता है, लेकिन कोई सवारी नहीं उतरी। इसके बाद चालक बस लेकर चल दिया और यह हादसा हो गया। यात्रियों का कहना है कि यदि उन्होंने चालक की बात को गंभीरता से लिया होता और उतर जाते तो कई लोगों की जान बच सकती थीं। घटना में बचे यात्रियों ने बताया कि बस के खाई में गिरते ही उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला। यात्री एक दूसरे के ऊपर गिरने लगे। पत्थर से सिर टकराने से भी कई यात्री बेहोश हो गए। जब तक लोग मौके पर पहुंचे उन्होंने दम तोड़ दिया।वहीं मार्चूला सड़क हादसे को लेकर सोशल मीडिया पर भी हादसे के कई लाईव वीडियो प्रसारित हो रहे है। लोग जहा सड़क हादसे को लेकर बस चालक की लापरवाही बता रहे है वहीं लोगों की जान जोखिम में डाल बसों का संचालन करने को लेकर सवाल उठाये जा रहे है। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बस चालक दिनेश सिंह निवासी भैरंगखाल, सल्ट मानसिक रूप से परेशान था। बस में उसे बार-बार रुपयों के लिए फोन आ रहा था। वहीं दूसरी तरफ लोगों का मानना है कि दीवाली की छुटी के बाद लोग लौट रहे है जिससे बसों में यात्रियों को दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार को अतिरिक्त बसों का इंतजाम करना चाहिये था। एक अन्य वीडियो में घायल युवक का कहना है कि वह बस में सवार था और बस खाई में पलट गई। हादसे में वह बस से बाहर छिटक गया था। घायल युवक का कहना है कि बस में 60 से अधिक सवारी थी जबकि बस चालक सवारियां भरते रहा। जिलाधिकारी अल्मोड़ा आलोक कुमार पांडे के अनुसार मरचूला के समीप हुए हादसे को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। पूरे मामले की जांच के आदेश पहले ही सरकार की ओर से दिए जा चुके हैं। जांच के आधार पर करवाई की जाएगी।

एक घंटे बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम, एयर एंबुलेंस सेवा भी हुई फेल

पौड़ी। पौड़ी गढ़वाल के किनाथ से सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे यूजर्स की बस संख्या (यूके 12 पीए 0061) रामनगर के लिए चली। त्योहार की वजह से लोगों को वापस जाने की जल्दी थी। लिहाजा बस देखते ही देखते ओवरलोड हो गई। बस करीब सात बजे मरचूला के कूपी बैंड के पास पहुंची तो चालक ने तीव्र मोड़ पर वाहन को मोड़ने का प्रयास किया लेकिन यह अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। चीखपुकार के बीच पत्थरों पर गिरी बस की आवाज सुनकर सबसे पहले कूपी गांव और आसपास के क्षेत्र के कुछ युवा मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को बाहर निकालना शुरू किया। बस के अंदर कई लोग दबे थे। किसी तरह कुछ घायलों को निकालकर निजी वाहनों से देवायल और रामनगर के अस्पताल ले जाया गया। हादसे की सूचना मिलने के करीब एक घंटे बाद एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य त्वरित गति से शुरू हुआ। मौके पर 28 लोगों के शव निकाले गए जिन्हें पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। मृतकों में बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं हेली एंबुलेस सेवा हादसे में काम नहीं आयी। बताया जा रहा है कि ऐयर एंबुलेस तैयार नहीं हुई और उसमें कई उपकरण लगाये जाने है। इधर गंभीर हालत में रामनगर भेजे गए लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर किया गया। जनपद के दूरस्थ ब्लॉक नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही बस के सारड़ बैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना पर पौड़ी जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया। डीएम डॉ. आशीष चौहान ने जिला आपदा परिचालन केंद्र में सभी संबंधित अफसरों के साथ बैठक कर दुर्घटना प्रभावितों को तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू करने को कहा। डीएम ने एसडीएम लैंसडौन व चौबट्टाखाल को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए। राजस्व व विकास विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों व कर्मचारियों को घटनास्थल पर राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने को कहा। वहीं दुर्घटनाग्रस्त बस पौड़ी आरटीओ में पंजीकृत है। आरटीओ पौड़ी द्वारिका प्रसाद ने बताया कि बस 43 सीट पर पास है। फिटनेस व परमिट 12 मार्च 2025 तक के लिए वैध है। आरटीओ ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में बसों की लगातार चेकिंग जारी है। इस साल आरटीओ की टीम ने 113 बसों, टैक्सी व मैक्सी के फिटनेस आदि अपडेट नहीं मिलने पर सीज व चालान की कार्रवाई की है।

पहाड़ों में बढ़ते सड़क हादसे के मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही कोई भी सरकार

सड़क सुरक्षा के कार्यों के साथ ड्राइवरों को जागरूक करना बेहद जरूरी

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सोमवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। इस बीच एक चौकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। जिससे ये पता चलता है कि प्रदेश में हर एक घंटे में सड़क हादसे में एक मौत हो रही है। सामाजिक कार्यकर्ता अनूप नौटियाल के अनुसार एक राज्य के रूप में, हम हर साल करीब 1 हजार लोगों को सड़क दुर्घटनाओं में खोते हैं। इसका मतलब है कि हमारे राज्य में औसत लगभग हर 8 घंटे में एक सड़क दुर्घटना से मृत्यु होती है। यह याद रखना जरूरी है कि घायलों की संख्या उन लोगों से कहीं अधिक है जो सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। अनूप नौटियाल बताते हैं दुर्घटना की गंभीरता की दर, यानी 100 दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या, उत्तराखंड में राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी अधिक है। उत्तराखंड परिवहन विभाग की वेबसाइट के अनुसार 2018 से 2022 के बीच के आंकड़ों में राज्य की दुर्घटना की गंभीरता की दर 2018 में 71.3 के उच्चतम स्तर से गिरकर 2021 में 58.36 के निम्नतम स्तर तक पहुंची है। यह अत्यंत चिंताजनक है कि हमारी गंभीरता की दर राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। नौटियाल आगे कहते हैं ये भी निराशाजनक है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस, किसी भी राज्य सरकार ने उत्तराखंड में सड़क दुर्घटनाओं के मुद्दे को गंभीरता से लिया है। हाल में हुए अल्मोड़ा हादसे के मामले में निचले स्तर के अधिकारियों को निलंबित करना सिर्फ खानापूर्ती साबित हो रहा हैं एसे लापरवाही पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिये। जब तक राज्य सरकार और इसके विभिन्न विभाग फोर ई के सिद्धांतों इंजीनियरिंग, इमरजेंसी केयर, एनफोर्समेंट और एजुकेशन पर गंभीरता से काम नहीं करेंगे, तब तक हम और अधिक जीवन खोते रहेंगे। सड़क सुरक्षा के बारे में सभी नगरिकों, ड्राइवरों और टूरिस्ट्स को जागरूक करना बेहद जरूरी है। वहीं सड़क सुरक्षा के कार्यों को लेकर भी ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी। पहाड़ी जनपदों में सड़कों के किनारे पैराफिट व क्रैश बैरियार नहीं लगाने से हादसे बढ़ रहे है।

मरचूला बस हादसे को लेकर कांग्रेस ने जताई नाराजगी, सरकार पर लगाए लापरवाही के आरोप

देहरादून(उद संवाददाता)। अल्मोड़ा के मरचूला में हुए भीषण सड़क हादसे को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश की धामी सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही अल्मोड़ा जिले के जिलाधिकारी पर फोन न उठाने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने एक वीडियो संदेश में कहा आज सुबह एक दुखद घटना इस प्रदेश में हुई है। हादसे में 36 लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद सरकार की देरी से कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। माहरा ने आगे कहा 7 बजे हुई हादसे की घटना के बाद वहां के जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाने के लिए जिलाधिकारी अल्मोड़ा को फोन किया। लेकिन जिला अधिकारी ने डेढ़ घंटे तक किसी का फोन नहीं उठाया। करन माहरा ने कहा घटनास्थल पर जहां एंबुलेंस को 7:30 बजे के आसपास

पहुंच जाना चाहिए था वहीं सरकार की लापरवाही के चलते एम्बुलेंस नौ बजे पहुंची। इसके बाद घायलों को रामनगर पहुंचाया गया परंतु वहां पर भी घायलों के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। माहरा ने कहा सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत का कहना है कि हमने एयरलिफ्ट करने के लिए चौपर भेजें लेकिन चौपर रामनगर भेजे गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने आगे कहा अगर चौपर घटना स्थल पर भेजा जाता तो कई लोगों की जान बच सकती थी। माहरा ने आगे कहा पहाड़ में सड़कों की स्थिति इतनी खराब है की इसी रोड में पिछले दो-तीन सालों में कई बड़े हादसे से हो गए हैं, तब भी सरकार इसकी सुध नहीं ले रही है। महरा ने सरकार से डीएम के फोन ना उठाने के प्रकरण की जांच करने की अपील की है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मरचूला में हुई भीषण बस दुर्घटना में मृतक लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया है। पूर्व सीएम ने कहा कि सल्ट के कूपी गांव के निकट भीषणतम सड़क हादसे में घायल भाई बहन जो ऋषिकेश के एम्स में भर्ती है, मैं उन्हें देखने जा रहा हूं, उसके बाद शरीर ने आज्ञा दी तो रामनगर,हल्द्वानी भी जाऊंगा। भगवान से प्रार्थना है कि घायलों को जल्द स्वस्थ करें। सरकार से आग्रह है कि दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति की जीवन रक्षा के लिए उन्हें उच्चतम चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए।

अधिवक्ता से संत बने बाबा ने आश्रम की साध्वी के साथ किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में अधिवक्ता से संत बने बाबा को पुलिस ने साध्वी से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। साध्वी से मुलाकात होने के बाद दोनों साथ रहने लगे थे। साध्वी ट्रस्ट की अध्यक्ष तो साधु को महासचिव बनाय गया था। पद से हटाने के बाद नाराज होकर उसने साध्वी के साथ बनाई गई अश्लील वीडियो वायरल कर दी थी। पुलिस ने कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, बीते 27 सितंबर को एक साध्वी ने अशोक कुमार वर्मा निवासी मिर्जापुर मुजफ्फरनगर हाल पता बजरीवाला बैरागी कैंप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि उसे बहला फुसलाकर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिए थे। जिन्हें अशोक ने वायरल कर दिया। दुष्कर्म, मारपीट, धमकी, एससी-एसटी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच सीओ सिटी जूही मनराल को सौंपी गई। जांच में सामने आए तथ्यों के बाद आरोपी संत की तलाश में दबिश दी गई, लेकिन वह बार-बार लोकेशन बदलता रहा। तीन नवंबर को खोजबीन करते हुए बजरीवाला बैरागी

कैंप से आरोपी अशोक कुमार वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। जिस फोन से अश्लील वीडियो वायरल किया गया, उसे भी बरामद कर लिया। सीओ सिटी जूही मनराल ने बताया कि आरोपी अशोक कुमार वर्मा व पीड़िता साध्वी कनखल के एक आश्रम में रह रहे थे। आश्रम के ट्रस्ट में साध्वी के अध्यक्ष बनने के बाद अशोक महासचिव बनाया। तब से वह आश्रम में ही रहने लगा। यहां दोनों में और नजदीकियां बढ़ी। इसके बाद आश्रम पर अपना स्वामित्व बनाने की कोशिश में लग गया। ये बात साध्वी को नागवार गुजरी। तब वर्ष 2022 में स्वामी नित्यानंद की पहली पुण्यतिथि पर साध्वी ने सबके बीच आरोपी को बेइज्जत कर महासचिव छीन लिया। दोबारा आश्रम आने की कोशिश करने पर उसे साफ मना कर दिया। इससे नाराज होकर आरोपी ने साध्वी के साथ बनी अश्लील वीडियो व मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। एसओ मनोज नौटियाल ने बताया कि आरोपी अशोक कुमार वर्मा पहले से शादीशुदा है। उसके बच्चे भी हैं। संसार से मोह माया भंग होने पर उसने सब कुछ छोड़कर साधु संतों की सेवा में खुद को लगा दिया। हरिद्वार आने पर उसकी मुलाकात साध्वी से हुई।

सरसों तेल के सैंपल फेल: निर्माता कंपनी पर 2.20 लाख व रि पैकेजिंग कंपनी पर एक लाख का जुर्माना

पौड़ी। सरसों के तेल में आयोडीन की मात्रा अधिक मिलने पर राजस्थान की एक कंपनी पर 2.20 लाख और उत्तराखंड के छिदरवाला की रि-पैकेजिंग कंपनी पर एक लाख का जुर्माना लगाया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग पौड़ी की टीम ने मार्च 2019 में स्वर्गाश्रम जौंक से तेल का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीनगर ने स्वर्गाश्रम जौंक क्षेत्र में 17 मार्च 2019 को रासबिहारी अग्रवाल के सुदर्शन आर्युवेदा से श्री जिंदल कच्ची घानी गोल्ड सरसों तेल के 200 एमएल का सैंपल जांच के लिए लिया था। सैंपल राजकीय खाद्य एवं औषधि विश्लेषणशाला रुद्रपुर भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में सरसो के तेज में आयोडीन की मात्रा ज्यादा पाई गई थी। विभाग ने दुकानदार व निर्माता कंपनी को दोबारा अन्यत्र लैब से जांच के लिए मौका दिया। उन्होंने कोई आवेदन नहीं किया। जिसके बाद विभाग ने न्याय निर्णायक अधिकारी/एडीएम पौड़ी की अदालत में वाद दाखिल किया था। अदालत में दुकानदार ने बताया था कि वह फुटकर विक्रेता है। उन्होंने तेल केसी ऑयल मिल एंड ड्रेडर्स से लिया था। वह तेल की रि-पैकेजिंग ही करता है। तेल जीआरजी ऑयल एग्रो फूड पार्क, उद्योग विहार, गंगानगर से आता है। अदालत ने तेल खरीद का पक्का बिल देने पर दुकानदार को वाद से मुक्त कर दिया। लेकिन निर्माता कंपनी और रिपैकेजिंग कंपनी को तेल की गुणवत्ता बनाए रखने में विफल पाया।जिला अभिहित अधिकारी पौड़ी एएस रावत ने बताया कि न्याय निर्णायक अधिकारी/एडीएम पौड़ी ईला गिरी की अदालत ने खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 और विनियम-2011 के मानक के तहत श्री जिंदल कच्ची घानी गोल्ड सरसों तेल को अधोमानक पाया है। अदालत ने तेल निर्माता कंपनी जीआरजी ऑयल एग्रो फूड पार्क, उद्योग विहार, गंगानगर राजस्थान पर 2 लाख 20 हजार जुर्माना लगाया है। साथ ही रिपैकेजिंग कंपनी केसी ऑयल मिल एंड ट्रेडर्स छिदरवाला, ऋषिकेश पर एक लाख का जुर्माना लगाया है। 15 दिन के भीतर जुर्माना राशि जमा नहीं किए जाने पर भू-राजस्व की भांति वसूली की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आवश्यकता है

श्री वर्धमान किराना मर्चेंट गोल मार्किट रुद्रपुर में कस्टमर हैंडलिंग/सेल्स के लिए युवक एवं युवतियो की आवश्यकता है।

-संपर्क करें-
935992721

पत्नी की हत्या कर पति घर पर ताला लगाकर हुआ फरार

हरिद्वार। हरिद्वार के कनखल थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां गृह क्लेश के चलते पति ने पत्नी की हत्या कर दी और बाहर से गेट पर ताला लगाकर फरार हो गया। स्कूल से बच्चों के लौटने पर गेट बंद मिला तो कई घंटे बाद पड़ोसियों ने ताला तोड़ा। अंदर जाते ही देखा तो महिला मृत पड़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। जांच में सामने आया कि धारदार हथियार से सिर, माथा, हाथ और गले पर वार कर हत्या की गई है। कई टीमें खोजबीन में लगाई गई हैं। फोरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य एकत्र कर रही है। पुलिस के अनुसार, कनखल थाना क्षेत्र की जमालपुर कलां स्थित गौरव विहार कॉलोनी में मूल रूप से बिहार का रहने वाला सुरेंद्र अपनी पत्नी लक्ष्मी और एक बेटी व बेटे के साथ रहता है। सोमवार की दोपहर दोनों बच्चे स्कूल से लौट कर आए तो घर के बाहर ताला लगा हुआ मिला। बच्चों ने सोचा की माता-पिता कहीं बाहर गए हैं, इसलिए वह पड़ोस में एक घर पर बैठकर दोनों के लौटने का इंतजार करने लगे। कई घंटे तक जब कोई लौटकर वापस नहीं आया तो उन्हें आभास हुआ कि उनकी मां घर के अंदर बंद है। तब उन्होंने पड़ोसियों को ताला तोड़ने के लिए कहा। पड़ोसियों ने घर का ताला तोड़ा और अंदर पहुंचे तो लक्ष्मी को मृत अवस्था में फर्श पर पड़ा देख उनके होश उड़ गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी जूही मनराल, थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल, जगजीतपुर चौकी प्रभारी चरण सिंह चौहान मौके पर पहुंचे। इधर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। पड़ोसियों ने बताया कि अक्सर पति-पत्नी के बीच कहासुनी होती रहती थी। सीओ सिटी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद से आरोपी पति फरार हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने बस हादसे पर जताया शोक

गदरपुर(उद संवाददाता)। भाजपा जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने अल्मोड़ा में तहसील सल्ट के मार्चुला के पास हुए बस हादसे पर मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है । उन्होंने बताया कि सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने रामनगर अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना वहीं सीएम पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल मुआवजे का ऐलान करते हुए इस हादसे में मृत लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायलों को एक एक लाख मुआवजे की घोषणा की है। गुंजन सुखीजा ने बताया कि भीषण सड़क हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। घायलों का इलाज चल रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रामनगर अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने भी दुर्घटना को लेकर जानकारी ली है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है। इस भीषण हादसे में लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार के स्तर पर भी सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रामनगर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया है। वही गुंजन सुखीजा ने हादसे मृतक लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है।

कच्ची शराब सहित एक गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आदर्श कालोनी चौकी पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को प्लास्टिक के थैले में 28 पाऊच कच्ची शराब व 115 रूपये सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार उप निरीक्षक होशियार सिह साथी पुलिस कर्मियों कांस्टेबल दिनेश सिह खडायत व उमेश सिह के साथ क्षेत्र में चैक्रिग करते आदर्श इन्द्रा बंगाली कालोनी में नाले के किनारे पहुचे तो एक व्यक्ति अपने घर के बाहर बैठकर लोगो को शराब के पाऊच निकालकर बेच रहा था।

पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता सुजीत दास पुत्र रंजीत दास निवासी वार्ड नम्बर 35 आदर्श इन्द्रा बंगाली कालोनी बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुले 28 पाऊच अवैध शराब के व 115 रूपये नगद बरामद हुए। पुलिस ने सुजीत को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया।

मार्चूला बस हादसे से गमगीन हुए लोग

रामनगर चिकित्सालय पहुंचकर सीएम धामी ने सभी घायलों का समुचित उपचार करने और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायलों को एक लाख मुआवजे के निर्देश

नैनीताल/रामनगर(उद संवाददाता)। सोमवार को अल्मोड़ा जिले के सल्ट तहसील क्षेत्रांतर्गत मार्चुला के पास कूपी में हुई भीषण बस दुर्घटना में 36 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 26 लोग घायल हुए हैं। इस दुःखद घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मृतकों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवारजनों को दुख की इस घड़ी में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल मुआवजे का ऐलान करते हुए इस हादसे में हताहत हुए लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायलों को 1 लाख मुआवजे की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है। इस दुःखद घटना की जानकारी प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सम्बंधित अधिकारियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने स्वयं रामनगर पहुंचकर मार्चुला में हुई बस दुघर्टना के घायलों की कुशलक्षेम जानी तथा मृतकों के परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने रामनगर चिकित्सालय में भर्ती घायलों का हालचाल जाना तथा उनके बेहतर उपचार हेतु आवश्यक निर्देश भी सीएमओ व अन्य चिकित्सकों को दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घायल व्यक्ति को बेहतर से बेहतर उपचार मिले। अगर उन्हें हायर सेन्टर भेजने की आवश्यकता है तो एयर एंबुलेंस से तत्काल भेजा जाय। इस दौरान मुख्यमंत्री घायलों के परिजनों से भी मिले तथा उन्हें घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने को लेकर आश्वस्त कराया। इस घटना में गंभीर रूप से 6 घायलों को एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश तथा 1 घायल को एसटीएच हल्द्वानी एयर एंबुलेंस के माध्यम से तथा 5 अन्य घायलों को 108 एंबुलेंस से एसटीएच हल्द्वानी भेजा गया। 5 घायलों को उनके परिजनों की मांग पर अन्य चिकित्सालयों में पंहुचाया गया। 9 घायल रामनगर चिकित्सालय में भर्ती हैं, जिनका उपचार जारी है।घटना की सूचना के तुरंत बाद आयुक्त कुमाऊं/सचिव मुख्यमंत्री श्री दीपक रावत व अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इससे पूर्व आयुक्त ने रामनगर चिकित्सालय में भर्ती घायलों का हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों का बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। इस दौरान गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी विधायक रामनगर श्री दीवान सिंह बिष्ट, दर्जा राज्यमंत्री डॉ. अनिल डब्बू, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री प्रताप बिष्ट, आयुक्त कुमाऊं श्री दीपक रावत, जिलाधिकारी श्रीमती वन्दना, एसएसपी श्री प्रहलाद मीणा, सीएमओ डॉ. हरीश चन्द्र पंत सहित अन्य मौजूद रहे। अल्मोड़ा में हुए बस हादसे के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अल्मोड़ा बस हादसे पर गहरी शोक व्यवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता देने और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। वहीं भाजपा सांसद अजय भट्ट ने अल्मोड़ा के सल्ट के पास मार्चुला के कूपी गांव के पास हुए दर्दनाक बस हादसे के बाद मौके पर पहुंच कर मृतको और घायलों के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित परिजनो से दुख साझा करते हुए उन्हें ढाढस बधाया, सरकार इस दुख की घड़ी में सभी पीड़ित परिवारजनों के साथ खड़ी है।

दिवाली पर आए थे घर: हादसे में मासूम शिवानी ने खो दिए मां-बाप

रामनगर। अस्पताल में भर्ती चार साल की मासूम के बिलखने और बार-बार मम्मी-मम्मी पुकारने की आवाज हॉस्पिटल कर्मियों को भावुक कर रही थी। किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी कि उस मासूम को कैसे बताएं कि जिन्हें वह बुला रही है वह कभी लौटकर नहीं आएंगे। मरचूला हादसे ने उसके सिर से मां-पिता साया छीन लिया है। बच्ची के नाना ने बताया कि सभी लोग गांव में दिवाली मनाने आए थे। त्योहार के बाद सभी रामनगर जा रहे थे। मेरे दामाद के पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी, गांव में उनकी मां मालती देवी हैं। त्योहार के बाद बेटी और दामाद कभी घर नहीं लौटेंगे, ऐसा सोचा नहीं था। अब शिवानी

की जिम्मेदारी भी अब उनके कंधों पर है। बच्ची की देखरेख के लिए उसके नाना हरिकृष्ण नेगी, नानी सुशीला देवी अस्पताल पहुंच गए हैं। दोनों अपने बेटी-दामाद को खोने का गम छुपाए अपनी नवासी की तीमारदारी में लगे हैं। नानी बार-बार आंचल से अपने आंसू पोछती दिखी। शाम करीब साढ़े तीन बजे बच्ची को रामनगर अस्पताल से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया है। शिवानी के पिता मनोज रावत रामनगर में उद्यान विभाग के अंतर्गत फल संरक्षण में ट्रेनिंग सुपरवाइजर पद पर कार्यरत थे और मां चारू रावत गृहिणी थीं।

हादसे में घायल 6 लोग ऋषिकेश एम्स ,9 रामनगर व 5 हल्द्वानी में भर्ती

रामनगर। मार्चुला, अल्मोड़ा में हुई भीषण बस दुर्घटना में पुलिस और प्रशासन की टीम ने तुरंत व्यापक बचाव अभियान चलाया। घटना की दुःखद जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने स्वयं रामनगर के अस्पताल पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम जानी और मृतकों के परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त की। इस घटना में गंभीर रूप से 6 घायलों को एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश तथा 1 घायल को एसटीएच हल्द्वानी एयर एंबुलेंस के माध्यम से तथा 5 अन्य घायलों को 108 एंबुलेंस से एसटीएच हल्द्वानी भेजा गया। 5 घायलों को उनके परिजनों की मांग पर अन्य चिकित्सालयों में पंहुचाया गया। 9 घायल रामनगर चिकित्सालय में भर्ती है। **मृतक का नाम:** दिनेश पुत्र मान सिंह भैरंगखाल,चारू देवी पत्नी मनोज रावत रामनगर, मनोज रावत पुत्र दर्शन सिंह रामनगर, दीपक पुत्र चमन सिंह बराथ मल्ला, आरव पुत्र दीपक बराथ मल्ला आदित्य सिंह पुत्र मनोज सिंह सुनडोला,सोनी पत्नी परवीन दिगोली धूमाकोट ,दिलबर सिंह पुत्र राजे सिंह,गिरीश ढौडियाल पुत्र नन्दा बल्लभ पिरूलद्वारा पार्वती कुंज मानसी ध्यानी पुत्र राकेश ध्यानी बरात परवीन दत्त पुत्र ईश्वरी दत्त खेतूबाखल ,नीरज ध्यानी पुत्र बिनोद ध्यानी रूडोली ,धनपाल उर्फ यशपाल पुत्र कुन्दन, परसोली पंकज रावत पुत्र प्रेम सिंह आम पोखरा ,रामनगर शंका देवी पत्नी दर्शन लाल उड़ीमल्ला ,दर्शन लाल पुत्र अनोप लाल मझेड़ा ,रवि भारद्वाज पुत्र सुरेशानन्द जामड़ी ,मिनाक्षी पत्नी परवीन सिंह कैनाथ मल्ला सलोनी पुत्र जगमोहन सिंह कैनाथ मल्ला ,रविन्द्र रावत पुत्र चरन सिंह आम पोखरा रामनगर ,रशमी रावत पुत्री मोहन सिंह दयावन्ती पाथनी पत्नी राम प्रसाद, दिव्यासु बलौदी पुत्र नरेन्द्रसिंह देवलाद ,बनवारी लाल पुत्र राम लाल रणथमल, विशाल सिंह पुत्र धनपाल सिंह धूमाकोट, शक्त कुमार पुत्र गोविन्द राम परसौली देवेन्दर सिंह नेगी पुत्र गोपाल सिंह बराथ मल्ला आदित्य राम ध्यानी पुत्र मनोहर लाल ध्यानी धूमाकोट । रामदत्त जोशी चिकित्सालय रामनगर में मृतकों की सूची । सुमन नेगी पत्नी विरेन्द्र सिंह पीरूमदारा रामनगर प्रवीन रावत पुत्र भूपाल सिंह दिगोली पौड़ी गढवाल विनायक मैदोलिया पुत्र बृजमोहन दिगोली पौड़ी गढ़वाल आयुष मेन्दोलिया पुत्र सुभाष चन्द्र पातल तल्ला थाना मन्दोलिया प्रवीन सिंह पुत्र भवन सिंह ग्राम किनात मल्ला, राकेश ध्यानी पुत्र रामानन्द ध्यानी धूमाकोट, चंपा, प्रवीन। **घायल का नाम:** अमन, सीएचसी देवायल सल्ट रेफर रामनगर, दीपक रेफर रामनगर, अवनी सीएचसी० देवायल सल्ट रेफर रामनगर, करण, आयुष, भरत, वीरेन्द्र सुशीला तिवारी हल्द्वानी, गिरीश संयुक्त चिकित्सालय रामनगर, राबिन संयुक्त चिकित्सालय रामनगर, अक्षीता एम्स ऋषिकेश, अंजलि संयुक्त चिकित्सालय रामनगर, आकाश रेफर, प्रदीप रेफर, अशोक एम्स ऋषिकेश, प्रमिला संयुक्त चिकित्सालय रामनगर, राहुल एम्स ऋषिकेश, सूरज पाल संयुक्त चिकित्सालय रामनगर,हरिशचंद्र रेफर, विपाशु रेफर, जगदीप रेफर,रमेश रेफर, वैष्णवी रेफर,विशाल रेफर,विनोद संचि रामनगर रेफर। उक्त सूचना तहसीलदार सल्ट द्वारा दूरभाष के माध्यम से जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र अल्मोडा को दी गयी हैं।

भाजपा के संगठन चुनाव के लिये बूथ की संरचना महत्वपूर्ण पड़ाव: शर्मा

संगठन चुनाव को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला आयोजित

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। संगठन पर्व के अन्तर्गत भाजपा जिला कार्यालय पर संगठन चुनाव की महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में अध्यक्षीय भाषण भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल ने दिया उन्होंने कहा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर ऊधम सिंह नगर जिले मे प्राथमिक सदस्यता अभियान चलाया गया जिसके दूसरे चरण मे सक्रिय सदस्य बनने का अभियान जिले में गतिमान है जिसकी पहली सूची तैयार हो गयी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही मंडल व जिला स्तर के चुनाव कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा अनुशासित पार्टी है जहाँ कार्यकर्ताओ की सहमति के आधार पर योग्य लोगों को जिम्मेदारी दी जाती है। बैठक में स्थानीय विधायक व दो बार जिला अध्यक्ष रहे शिव अरोरा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते कहा कि उत्तराखंड में सदस्यता अभियान मे ऊधम सिंह नगर ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अब संगठन चुनाव का आदेश पार्टी नेतृत्व द्वारा हुआ है जिसकी बुनियाद बूथ से शुरू होती है। बूथ गठन के आधार पर ही आगे संगठन का ढाँचा खड़ा होगा, विधायक शिव अरोरा ने कहा योग्य कर्मठ लोगों को संगठन मे अलग अलग जिम्मेदारी मिलेगी। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप मे आये भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला ऊधम सिंह नगर जिला चुनाव अधिकारी कैलाश शर्मा ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा शीर्ष नेतृत्व के निर्देश के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान चलाया जिसमें बढ़ चढ़कर सभी कार्यकताओं ने भाग लिया और घर घर जाकर वही उसके दूसरे पड़ाव मे सक्रिय सदस्य अभियान गतिमान है लेकिन जैसा की विदित है भाजपा एक लोकतान्त्रिक पार्टी है जहा समय समय पर चुनाव के माध्यम से संगठन में बूथ मंडल जिला और प्रदेश अध्यक्ष तक का चुनाव होता है। कैलाश शर्मा ने बताया कि मंडल अध्यक्ष चुनाव हेतु सबसे पहले बूथ अध्यक्ष व बूथ की कमेटी का गठन होगा जिसके लिये आगामी 10 नवम्बर तक मंडल कार्यशाला होंगी। 10 नवंबर से 20 नवंबर तक बूथ कमेटी शक्तिकेंद्र की नियुक्ति प्रकिया पूर्ण की जायेगी जैसे ही यह कार्य पूर्ण होगा उसके बाद मंडल अध्यक्ष चयन प्रकिया को आगे बढ़ाया जायेगा। शर्मा ने कहा यह बूथ की संरचना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है सभी कार्यकर्त्ता इसमें पूरी निष्ठा से लगें। हम सभी के बीच से ही कोई कार्यकर्ता मंडल जिला प्रदेश स्तर तक की जिम्मेदारी निभाएगा। सभी घोषित मंडल चुनाव अधिकारी अपने अपने मंडल में जाकर बूथ संरचना, पन्ना प्रमुख गठित करवा कर उनको सरल ऐप अपलोड करने का कार्य करें। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री अमित नारंग ने किया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, विधायक शिव अरोरा, सह चुनाव अधिकारी के के दास, हिमांशु बिष्ट, सक्रिय सदस्ता सयोजक कमलेन्द्र सेमवाल, प्राथमिक सदस्यता सयोजक गोपाल बोरा, पूर्व मेयर रामपाल, अनिल चौहान, सुरेश कोली, उपेन्द्र चौधरी, खबुसिंह, शैली फूटेला, तरुण दत्ता, राकेश सिंह, सतीश गोयल, शालनी बोरा, रश्मि रस्तोगी, राजेश तिवारी, धीरेन्द्र मिश्रा, श्रीकांत राठौर, इंद्रपाल, विमला मंडोला, श्रीपाल राणा, धीरेश गुप्ता, हरीश भट्ट, धर्म सिंह, जीवन धामी, अनिल यादव, अक्षय अरोरा, आदेश चौहान, गजेंद्र प्रजापति, किशोर जोशी, दिग्विजय खाती, मयंक कक्कड़, बिट्टू चौहान, किरन विर्क, सुनील यादव, राधेश शर्मा, राजेश जग्गा, मनोज मदान, मोहन तिवारी, डीएन यादव, विवेक राय, हरीश खानवानी, योगेश वर्मा, संतोष अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीडीओ ने की धान की क्रॉप कटिंग

रूद्रपुर। जनपद में धान की उत्पादकता जॉच हेतु मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने खेत में पहुँचकर क्रॉप कटिंग की। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने सोमवार को राजस्व, कृषि सॉख्यिकी टीम के साथ गदरपुर के ग्राम मसीत में किसान के खेत में पहुँचकर अपने सामने क्रॉप कटिंग करवाई। उन्होंने किसान से बोये गये

बीज, फसल उत्पादन हेतु उपयोग में लाये गये उर्वरकों, कीटनाशकों, सिंचाई आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि क्रॉप कटिंग प्रयोग के आधार पर जनपद में फसल का औसत उत्पादन व उपज के आकड़े तैयार किये जाते हैं। इस दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट आशिमा गोयल आदि मौजूद थे।

रसूखदारों के दो गुटों में मारपीट का वीडियो वायरल

एक संस्था के चुनाव को लेकर दोनों में है तनातनी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। शहर के कुछ रसूखदार लोगों से जुड़े कई वीडियो पिछले दो दिनों से जहां सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं वहीं लोगों में इस वीडियो को लेकर चर्चाएं भी जोरों पर हैं। बताया जाता है कि एक संस्था के चुनाव को लेकर गत 1नवंबर को इन रसूखदारों के दो गुट शराब के नशे में आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच जमकर जूतम पैजार हुई साथ ही एक-दूसरे को जान से मार डालने की धमकियां भी देते रहे। जिसके बाद घटना की आधी रात तक कोतवाली में भी हंगामा हुआ। सूत्रों के अनुसार इस मामले में दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीरें दी हैं। बताया जाता है कि नैनीताल रोड पर हल्द्वानी क्लब में एक नवंबर की रात शहर के कुछ रसूखदार लोग दीपावली का जश्न मना रहे थे। ये लोग एक बड़ी संस्था के जुड़े हैं और बताया जा रहा है कि हाल ही में इस संस्था के चुनाव प्रस्तावित हैं। इस संस्था का अध्यक्ष बनने के लिए दोनों गुट काफी उत्साहित है। बताया जाता है कि रसूखदारों का पहला गुट जब हल्द्वानी क्लब में जश्न मना रहा था तभी वहां दूसरा गुट भी पहुंच गया। दोनों के बीच पहले से ही मतभेद थे। कुछ लोगों ने दूसरे गुट को वहां से चले जाने की नसीहत दी। दोनों गुट शराब के नशे में थे और दूसरे गुट को यह बात अखर गई कि उसे चले जाने के लिए कहा जा रहा है। इसी की लेकर बहस शुरू हुई और बात बढ़ने की नौबत लगी तो दोनों गुटों ने फोन कर अपने लोगों को मौके पर बुला लिया। क्लब में भीड़ बढ़ी तो हंगामा और फिर मारपीट शुरू हो गई। शोर की सुनकर आस पास के निवासी कई लोग अपने घरों की छतों पर पहुंच गए और पूरी घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। पूरे क्लब में लोग एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर पीट रहे थे। कुछ लोग जो बीच-बचाव की कोशिश कर रहे थे वह भी पिटे जा रहे थे। हंगामे और मारपीट की सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। लेकिन रसूखदारों के देख पुलिस भी असली एक्शन नहीं दिखा सकी। इसके बाद भीड़ कोतवाली पहुंच गई। लेकिन वहां भी दोनों के बीच सहमति नहीं बनी। बताया जा रहा है कि इस मामले में पुलिस को करीब छह तहरीरें मिली हैं। बताया जा रहा है कि मारपीट में शामिल कुछ लोग क्लब में लगा सीसीटीवी का डीवीआर भी लेकर फरार हो गए। पुलिस भी इस पर कुछ भी बोलने से बच रही है। हालांकि कोतवाल राजेश कुमार यादव का कहना है कि मारपीट की बात सामने आई है। इस घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। बताया जाता है कि उक्त संस्था की ओर हर साल शहर में एक बड़ा आयोजन कराया जाता है। इस आयोजन से पहले संस्था के चुनाव होने हैं, लेकिन काबिज अध्यक्ष अगले साल चुनाव कराने के मूड हैं। जबकि दूसरा पक्ष ऐसा नहीं चाहता। इन सबके बीच बड़े आयोजन की तैयारियों को लेकर दोनों पक्ष अपने-अपने स्तर से तैयारियों में जुट गया है। बताया जा रहा है कि दोनों गुटों की इस खींचातानी से उनका समाज भी नाराज है।

ठुकराल साईकिल स्टोर के नये प्रतिष्ठान का शुभारम्भ

रूद्रपुर। शहर के हरि मंदिर गली में ठुकराल साइकिल स्टोर के नये प्रतिष्ठान बचपन ब्रांच का उद्घाटन श्री प्रेम आश्रम के गद्दी नशीन गुरु महाराज गायत्री नाथ जी और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर गुरू गायत्री नाथ महाराज ने सभी को आशीर्वाद दिया। पूर्व विधायक ठुकराल ने प्रतिष्ठान स्वामी को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रतिष्ठान स्वामी और उनके परिवार के लोगों ने गुरू गायत्री नाथ महाराज और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर हरबंस ठुकराल, मुल्खराज ठुकराल, धर्मपाल ठुकराल,

विनोद बत्रा, योगराज बत्रा, रोहतास बत्रा, सुरेश परिहार, राजेश बजाज, मनीष छाबड़ा, पुरुषोतम छाबड़ा, संजय जुनेजा, अराजकुमार सीकरी, राजकुमार भूसरी, जगदीश सुखीजा, अशोक ठुकराल, विजय ठुकराल, विशंभर ठुकराल, सूरज ठुकराल, सतीश ठुकराल, नरेंद्र ठुकराल, चरणदास ठुकराल, राज गगनेजा, जुगल चराया, जगदीश चराया, राजू चराया, परविंदर सिंह, किशन ठुकराल, बलदेव ठुकराल, मोहित अरोड़ा, कमल छाबड़ा, ललित बिष्ट, कालू बत्रा आदि मौजूद थे।

भूमि क्रय करने की अनुमति का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने विडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से समीक्षा बैठक लेते हुए भूमि क्रय करने की अनुमति के उल्लंघन करने वाले लोगों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश समस्त जिलाधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी उदय राज सिंह ने बताया कि जनपद में राज्य से बाहर के व्यक्तियों को भूमि क्रय करने हेतु अनुमति के उल्लघंन में 40 प्रकरणों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने बताया कि भूमि क्रय करने की अनुमति के उल्लघंन करने वाले लोगों के विरूद्ध वाद योजित कर विधिक कार्यवाही की

जा रही है। उन्होंने बताया कि चिन्हित 40 प्रकरणों में कुल रकबा 119.163 हैक्टेयर भूमि चिन्हित की गयी है जिसे विधिक कार्यवाही के उपरान्त उक्त भूमि अधिग्रहित करने की कार्यवाही की जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, ओसी गौरव पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

एसडीएम ने छठ घाट स्थल का किया निरीक्षण

गदरपुर। भगवान सूर्य की उपासना व आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर उपजिलाधिकारी आसिमा गोयल ने पालिका के अधिकारियों के साथ छठ घाट का निरीक्षण किया। सोमवार को एसडीएम आसिमा गोयल ने अधिशासी अधिकारी संजीव मल्होत्रा एवं पालिका कर्मियों के साथ रेड रोज पब्लिक स्कूल के पास छठ घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ घाट की सफाई और छठ घाटों का रंग-रोगन तुरंत किया जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को फोन पर नहर में पर्याप्त पानी छोड़े जाने के निर्देश दिए। कहा कि नगर पालिका और

सिंचाई विभाग समय पूर्व छठ घाट में सफाई आदि का कार्य पूरा कर लें। चेतावनी दी कि यदि कार्यों में कोई कमी पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बिजेंद्र कुमार, दीपक कुमार सहित अन्य पालिका कर्मी मौजूद रहे

विधि विधान से हुआ श्री श्यामा काली पूजन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ग्राम संजय नगर महतोष मोड़ में ग्रामीणों द्वारा दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित श्री श्री शारदीय मां श्यामा काली पूजा में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर विधि विधान से पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया और सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्री ठुकराल ने कहा कि दीपावली पर महालक्ष्मी की पूजा के साथ साथ काली पूजा का भी विधान है। बंगाली समाज के लोग विधि विधान से दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के साथ साथ महाकाली का भी पूजन करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी देवियां मां दुर्गा के ही अलग अलग

स्वरूप है। मां दुर्गा ने दुष्टों का संहार करने के लिए अलग अलग रूप से धारण किये थे। उन्होंने कहा कि दुष्टों का संहार करने वाली मां दुर्गा ही जगत जननी है। उनकी पूजा अर्चना कभी निष्फल नहीं जाती। इस अवसर पर समाजसेवी संजय ठुकराल, अंकित बाटला, विप्लव विश्वास, गोविंद मालकर, विश्वजीत, रघु, प्रीतेश बाला, शंकर विश्वास, ज्योतिष बाला, मिट्ठू मंडल, सौरभ, निर्पिन बाला, सुभाष मंडल, संजीत ओझा, सुखदेव बैरागी, जयदेव भौमिक, किशोर राय, वरुण बाला, जगदीश विश्वास, सजल विश्वास, मेघनाथ बनिक, अमन बनिक, अभिषेक विश्वास, कृष्णा बक्शी आदि लोग उपस्थित थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

हादसों की त्रासदी का सबक

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार को हुए त्रासद बस हादसे से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि आए दिन बड़ी दुर्घटनाओं के बावजूद हर स्तर पर लापरवाही बनी हुई है और कोई सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। गौरतलब है कि पहाड़ की घुमावदार सड़कों से गुजरने वाली बस में क्षमता से ज्यादा यात्रियों को लाद लिया गया था। इसका नतीजा यह हुआ एक मोड़ पर बस असंतुलित होकर फिसली और डेढ़ सौ मीटर गहरी खाई में गिर गई। उसमें सवार कम से कम छत्तीस लोगों की जान चली गई और कई बुरी तरह घायल हो गए। खबरों के मुताबिक बस पुरानी और खस्ताहाल थी। जबकि यातायात व्यवस्था की घोर लापरवाही आलम यह था कि 42 सीटर बस में 60 से अधिक सवारियों को ठूसकर भरा जा रहा था। अब इस लापरवाही पर सरकार परिवहन विभाग अधिकारियों पर गाज गिराकर इतिश्री कर ली गई। लेकिन सवाल है कि क्या वह बस किसी छिपे तरीके या रास्ते से गुजर रही थी कि उसकी खराब हालत पर पुलिस या किसी जिम्मेदार व्यक्ति की नजर नहीं पड़ी और उसे रोकना जरूरी नहीं समझा गया? घटनास्थल से प्राप्त ब्योरों से ऐसा लगता है कि इस त्रासद हादसे के लिए न सिर्फ बस चालक या मालिक जिम्मेदार हैं, बल्कि पुलिस या प्रशासन के अधिकारियों ने भी अपने दायित्व से मुंह मोड़ लिया था। विचित्र है कि पहाड़ी इलाकों में काफी ऊंचाई पर बनी संकरी सड़कों के मद्देनजर खतरनाक या उच्च जोखिम वाली जगहों की पहचान करके वहां सुरक्षा के लिहाज से अतिरिक्त इंतजाम करने की भी अनदेखी की जाती है। अल्मोड़ा की सड़कें कुछ अधिक जोखिमभरी मानी जाती हैं, इसलिए उन पर अतिरिक्त सावधानी की दरकार होती है। जिस जगह बस खाई में गिर गई, अगर वहां 'पैराफिट' या 'क्रैश बैरियर' होता तो ऐसी त्रासदी से बच पाने की उम्मीद की जा सकती थी। मगर ज्यादा यात्रियों की वजह से बस असंतुलित हुई और चालक उसे संभाल नहीं पाया, बस सीधे खाई में जा गिरी। जबकि पहाड़ी इलाकों में सड़कों के किनारे जरूरी सुरक्षा घेरे को मजबूत और दुरुस्त रखने को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। मगर विडंबना है कि हर समय चौड़ी सड़कों और विकास का राग अलापती सरकारें हादसों की वास्तविक स्थितियों और वजहों से तब तक आंखें मूंदें रखती हैं, जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए और उसमें नाहक ही लोगों की जान न चली जाए। पहाड़ों पर यात्री वाहनों मे लापरवाही ओवरलोडिंग और ओवर स्पीड से बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए संवेदनशीलता से कार्य करने की जरूरत है।

सूचना सम्बंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र राहुल मण्डल गलत संगत में पड़ गया है, वह घर में आये दिन गाली गलौच और लड़ाई झगड़ा करता है, बहुत समझाने पर भी उसका व्यवहार ठीक नहीं हुआ है। उसके गलत कार्यों की वजह से मेरी सामाजिक प्रतिष्ठा खराब हो रही है, जिससे दुखी और परेशान होकर मैंने राहुल मण्डल को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उससे सारे रिश्ते नाते समाप्त कर लिये हैं। भविष्य में राहुल मण्डल अपने अच्छे बुरे कार्य और लेन देन आदि के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा।

सुकुमार मण्डल पुत्र श्री विमल मण्डल,
निवासी–हाउस नं0 73, वार्ड नं. 01,
मुखर्जीनगर जगतपुरा, रूद्रपुर
जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com 05944-246817

नमामि गंगे घाट पर मनाया आठवां गंगा उत्सव

हरिद्वार(उद संवाददाता)। सोमवार को हरिद्वार में चंडी घाट पर स्थित नमामि गंगे घाट पर आठवां गंगा उत्सव मनाया गया।कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री सीआर पाटिल ने देवप्रयाग से गंगासागर तक निकली बीएसएफ की महिलाओं के गंगा यात्रा अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गंगा को स्वच्छ व निर्मल रखने का अभियान चलाया जा रहा है। गंगा केवल नदी नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यह हमारी संस्कृति है, हमारी धरोहर है। अत: इसका संरक्षण और संवर्धन करना हर नागरिक का कर्तव्य है।श्री पाटिल ने कहा कि यदि हम नदी को प्रदूषित होने से बचाएंगे तो प्रदूषण भी कम होगा और नदी के जलीय जीवों की रक्षा भी होगी। साथ ही पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई नमामि गंगे योजना करोड़ों लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर रही है और गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए सतत प्रयास जारी हैं।इस अवसर पर श्री सीआर पाटिल ने गंगा में महाशीर मछलियों को भी प्रवाहित किया और कई लाख मत्स्य बीज भी गंगा में छोड़े गए। ताकि गंगा में जलीय जीव का संतुलन बना रहे। इस अवसर पर घाट पर हाट के अंतर्गत कई गंगा तट के गांव की समितियों द्वारा स्टाल भी लगाए गए। जिसमें स्थानीय हर्बल उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की गई।केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री

सीआर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ गंगा के सपने को पूरा करने के लिए हम सब प्रयासरत हैं और गंगा के साथ–साथ अन्य नदियों को भी साफ रखना जल शक्ति मंत्रालय की प्राथमिकता है। श्री पाटिल ने कहा कि माननीय श्री नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तभी उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने मुझे बुलाया है। नदी को मां मानना हमारी संस्कृति है। इस अवसर पर श्री राजीव मित्तल, महानिदेशक नमामि गंगे ने कहा कि आज का उत्सव मां गंगा के संरक्षण को लेकर है। हमारे साथ पांच अन्य राज्यों में भी ये उत्सव मनाया जा रहा है।श्रीमती रेखा आर्या, महिला एवं बाल विकास मंत्री, उत्तराखण्ड ने कहा कि आज ही का दिन वो ऐतिहासिक दिन है, जब मां गंगा को राष्ट्रीय नदी के रूप में पहचाना गया।गौरतलब है कि गंगा किनारे पहली बार गंगा महोत्सव का आयोजन किया गया है। इससे पहले यह आयोजन दिल्ली में आयोजित किया जाता था। इसका मकसद गंगा का संरक्षण, संवर्धन करना तथा लोगों में जन जागरूकता पैदा करना है, ताकि लोग गंगा में गंदगी न फैलाएं। आज ही के दिन 4 नवंबर को गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया था। अत: इस दिन को उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा की कड़ी में गंगा उत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत तथा प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या सहित नमामि गंगे से जुड़े विभिन्न अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

सिक्किम से राष्ट्रीय एकता यात्रा पर आए दल ने राज्यपाल से की भेंट

देहरादून (उद संवाददाता)। सोमवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से "राष्ट्रीय एकता यात्रा" पर आए सिक्किम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भेंट की। भारतीय सेना के "ऑपरेशन सद्भावना" के अंतर्गत आयोजित इस यात्रा में सिक्किम विश्वविद्यालय के 1 शिक्षक के साथ 17 छात्र–छात्राएं शामिल हैं, जो पहली बार सिक्किम से बाहर निकलकर देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), मसूरी और ऋषिकेश सहित उत्तराखण्ड के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्तराखण्ड की संस्कृति, विकास, तकनीकी और आर्थिक प्रगति का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है। 111 सब एरिया, 33 कोर हेडक्वार्टर, इस्टर्न कमांड द्वारा आयोजित इस यात्रा

का नेतृत्व मेजर सुरजन सिंह कर रहे हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी बच्चों से संवाद किया और उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज के नए भारत में आप सभी के लिए अपार संभावनाएँ और अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने 2047 के विकसित भारत संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और श्रेष्ठ भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सिक्किम और उत्तराखण्ड दोनों ही हिमालयी राज्य हैं, जिनकी पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में एक अहम भूमिका है। राज्यपाल ने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों का प्रत्यक्ष अनुभव और ज्ञान प्राप्त होगा, जो उन्हें जीवन में नई दिशा देगा और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। कार्यक्रम के समापन पर राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारतीय दवाओं का बढ़ता निर्यात

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना का सबसे ज्यादा असर ड्रग्स और फार्मास्युटिकल्स (दवा उद्योग) के निर्यात में देखने को मिला है। अब भारतीय दवाओं का निर्यात पश्चिमी देशों में लगातार बढ़ रहा है। इन देशों में अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, रूस और यूक्रेन शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में भी दवाओं का निर्यात बढ़ा है। यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीकाई देशों में बड़ी मात्रा में दवाओं का निर्यात होने से इस क्षेत्र में भारत की साख वैश्विक स्तर पर स्थापित हो रही है। 2019–20 में दवाओं का निर्यात 20.68 अरब डॉलर होता था, जो 2023–24 में बढ़कर 28 अरब डॉलर हो गया है। इस निर्यात में रेखांकित करने वाली बात है कि चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से सितंबर माह के बीच जहां कुल वस्तुओं के निर्यात में सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं दवाओं के निर्यात में 7.99 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। अप्रैल से सितंबर के बीच 14.45 अरब डॉलर की दवाएं निर्यात की जा चुकी हैं। दवा निर्माण करने वाले उद्योगों के पास जो अग्रिम आदेश आ चके हैं, उनके अनुसार इस वित्तीय वर्ष के अंत तक दवा निर्यात का आंकड़ा 30 अरब डॉलर पार करने की उम्मीद की जा रही है। कोरोना महामारी तक दवा के कच्चे माल और अन्य कई प्रकार की दवाओं की उपलब्धता के लिए भारत एक हद तक आयात पर निर्भर था। इसे भारत सरकार ने एक चुनौती के रूप में लिया और दवा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के नजरिए से पीएलआई योजना लाई गई। इस योजना के अंतर्गत दर्जनों कंपनियां प्रोत्साहित हुई और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन करने लग गईं। उत्पादन बढ़ा तो निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ने लगीं। जिसका परिणाम अब प्रत्यक्ष देखने को मिल रहा है। तरल नीति बनी तो इन औषधी उद्योगों ने उत्तम गुणवत्ता की दवाएं बनाने के साथ दरें भी अपेक्षाकृत कम रखें। इस कारण महंगी दवाओं के चलते इलाज न करा पाने वाले दुनिया के करोड़ों गरीब मरीजों के लिए भारत हमदर्द बन गया। भारत ने ब्रांडेड दवाओं के साथ सस्ती जेनेरिक दवाओं का निर्माण करने के साथ पूरी दुनिया में इनका निर्यात भी किया। फार्मा विशेषज्ञ पदोन्नति परिषद् के मुताबिक वर्ष 2021–22 में भारत ने 24.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था, जिसके 2030 तक 70 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। वर्तमान में दुनिया के 206 से अधिक देशों में भारत दवाओं का निर्यात करता है। इनमें जेनेरिक दवाएं तो कम है, किंतु ब्रांडेड दवाओं का निर्यात ज्यादा होता है। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया से जो द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया था, उसके तहत भी भारत से दवाओं का निर्यात बढ़ा है। आस्ट्रेलिया को भारत अभी एक वर्ष में 34 करोड़ डॉलर की दवाएं निर्यात करता है, जो एक अरब डॉलर तक पहुंच जाएंगी। यूएई के बाजार से भारतीय दवाएं अफ्रीका के देशों में जाएंगी। दक्षिण अमेरिका के देश भी भारत की सस्ती दवाओं के लिए अपने द्वार खोल रहे हैं। यूक्रेन से लड़ाई के चलते पश्चिमी व नाटो देशों ने रूस को अनेक प्रकार की दवाएं देने पर रोक लगा दी है। इसलिए रूस ने भारत से दवाएं मांगी और भारत ने दवाएं रूस को देने का द्वार खोल

दिया। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और कनाडा के साथ भी ऐसे कारोबारी समझौते हुए हैं, जो भारत की जेनेरिक दवाएं खरीदने लगे हैं। इन दवाओं के निर्यात में कोई कमी न आए इस दृष्टि से रसायन एवं खाद मंत्रालय ने 35 एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रिडिएंट्स (एपीआई) इकाईयों को उत्पादन बढ़ाने की अनुमति दी हुई है। पीएलआई योजना के तहत 53 एपीआई को भी उत्पादन के लिए चिन्हित किया गया है, इस मकसद पूर्ति के लिए 32 नए संयंत्र लगाए गए हैं। इन संयंत्रों में दवा निर्माण के लिए कच्चे माल को प्रसंस्करण किया जा रहा है। हालांकि अभी भी भारत कई अरब डॉलर के कच्चे माल का आयात चीन से करता है। भारत दवा निर्माण व निर्यात में अग्राणी देश न बन पाए, इसके लिए विदेशी शक्तियां अंकुश लगाने का काम भी लासेंट जर्नल के माध्यम से करती रहीं हैं। कोरोना महामारी के समय चीन के इशारे पर वैश्विक प्रसिद्धि प्राप्त मेडिकल जर्नल 'लांसेट' ने भारत को बदनाम करने की बहुत कोशिश की थी। जबकि मेडिकल जर्नल होने के नाते इस पत्र को राजनीतिक लेखों व पूर्वाग्रही व्यावसायिक वैचारिक धारणाओं से बचना चाहिए था। इसमें छपे लेखों को भारतीय मीडिया ने भी भाषाई अनुवाद करके छापा और अपने ही देश को बदनाम किया। जबकि बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स स्थित न्यूज वेबसाइट इयू रिर्पोटर ने तत्काल दावा किया था कि इन भ्रामक रिर्पोटों के पीछे बड़ी दवा कंपनियों की मजबूत लॉबी है, जो नहीं चाहती कि कोई विकासशील देश कम कीमत पर दुनिया को वैक्सीन और दवाएं उपलब्ध कराने की मुहिम में लग जाए। दरअसल भारत ने इस दौरान अपने पड़ोसी देशों को मुफ्त वैक्सीन देने के साथ कई देशों को बेची भी थी। इस कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उसकी टीका उत्पादन क्षमता पर सवाल उठाए और उन्हें अन्य देशों की तुलना में कमतर बताया। ऐसा इसलिए किया गया था, जिससे टीका उत्पादक बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियां आर्थिक लाभ से वंचित न रह जाएं। ये कंपनियां अपने आर्थिक हितों के लिए तब और सजग हो गईं थीं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी टीकों को पेंटेट से मुक्त करने की गुहार विश्व व्यापार संगठन से कर दी थी। कोरोना की पहली लहर में जब चीन की वुहान प्रयोगशाला से निकलकर दुनिया मे हाहाकार मचा रहा था, तब इससे निपटने का दुनिया के पास कोई उपाय नहीं था। लेकिन भारतीय चिकित्सकों ने हाइड्रोक्सीक्लॉरोक्वीन जिसे एचसीक्यू कहा जाता है, उसे इस संक्रमण को नष्ट करने में सक्षम पाया। भारत में पहली लहर का संक्रमण इसी दवा के उपचार से खत्म किया था। यह दवा इतनी सफल रही कि अमेरिका समेत दुनिया के डेढ़ सौ देशों में इस दवा की आपूर्ति भारत ने की थी। दवा के असर और बढ़ती मांग के दौरान लांसेट ने एक कथित शोध लेख छापा कि एचसीक्यू दवा कोरोना के इलाज में प्रभावी नहीं है। इस रिपोर्ट के आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दवा के क्लिनिकल परीक्षण पर रोक लगा दी थी। दरअसल लांसेट बड़ी टीका उत्पादक कंपनियों और चीन के एजेंडे को आगे बढ़ा रहा था। ऐसा इसलिए था, क्योंकि लांसेट के एशियाई संस्करण की संपादक चीनी मूल की नागरिक थीं और उन्होंने ही इस पत्र में भारत विरोधी लेख लिखे थे। लांसेट के तथ्यहीन इन रिपोर्टों पर कई विशेषज्ञों ने तत्काल सवाल खड़े किए थे, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया था। पश्चिमी देशों द्वारा अस्तित्व में लाया गया पेटेंट एक ऐसा कानून है, जो व्यक्ति या संस्था को बौद्धिक संपदा का अधिकार देता है। मूल रुप से यह कानून भारत जैसे विकासशील देशों के पारंपरिक ज्ञान को हड़पने की दृष्टि से लाया गया है। क्योंकि यहां जैव विविधता के अकूत भंडार होने के साथ, उनके नुस्खे मानव व पशुओं के स्वास्थ्य लाभ से भी जुड़े हैं। इन्हीं पारंपरिक नुस्खों का अध्ययन करके उनमें मामूली फेरबदल कर उन्हें एक वैज्ञानिक शब्दावली दे दी जाती है और फिर पेटेंट के जरिये इस बहुसंख्यक ज्ञान को हड़पकर इसके एकाधिकार चंद लोगों के सुपुर्द कर दिए जाते हैं। यही वजह है कि वनस्पतियों से तैयार दवाओं की ब्रिकी करीब तीन हजार बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। हर्बल या आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर सबसे ज्यादा दोहन भारत की प्राकृतिक संपदा का हो रहा है। ऐसे ही बेतुके एवं चालाकी भरे दावे और तरकीबें ऐलोपैथी दवाओं के परिप्रेक्ष्य में पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय फार्मा कंपनियां अपना रही हैं। विदेशी दवा कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर टिकी हैं। इसलिए 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में नए संशोधन किए गए। विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि 'नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देशी ज्ञान को महत्व व मान्यता नहीं देता। बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देशी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है। जबकि इनमें ज्ञान और अनुसंधान अंतर्निहित हैं। ये समाज में इसलिए संज्ञान में हैं, जिससे इन्हें आपस में साझा करके उपयोग में लाया जा सके। साफ है, बड़ी कंपनियां देशी ज्ञान पर एकाधिकार प्राप्त कर समाज को ज्ञान और उसके उपयोग से वंचित करना चाहती हैं।

प्रमोद भार्गव, लेखक/पत्रकार

जनता दरबार में जिलाधिकारी ने सुनी समस्याए

बागेश्वर (उद संवाददाता)।महीने के पहले सोमवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने लोगों की जन समस्याए सुनी और फरियादियों को समय से जनसमस्याओं का निराकरण करने का भरोसा दिया। सोमवार को तहसील सभागार में जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन हुआ। डीएम ने सभी फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए समस्याओं का तुरंत निदान करने के निर्देश देते हुए सख्त लहजे में अधिकारियों को कहा कि जनता दरबार में आई कोई भी शिकायत दोबारा आई तो इसकी जिम्मेदारी अधिकारी की होगी। यदि अधिकारियों द्वारा जनसमस्या के निदान में कोई भी कोताही बरती और फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चककर कटवाए तो शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता की समस्याएं सुनते हुए जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रों से आये फरियादियों की सड़क,विद्युत, पेयजल, सिंचाई आदि मूलभूत समस्याओं से संबंधित 18 समस्याएं/ शिकायतें सुनी। डीएम ने अधिकतर समस्याओं एवं शिकायतों को मौकेपर ही निस्तारण करते हुए शेष समस्याओं व शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियो को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों का समय से समाधान करने,और दोबारा होने वाले जनता दरबार में कोई भी फरियादी दोबारा उसी जनसमस्या को लेकर नहीं

आए इसके लिए संबंधित अधिकारी समस्या समाधान में कोताही नहीं बरते इसके लिए अधिकारी की जवाबदेही होने और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा भी की।तहसील सभागार में आयेजित जनता दरबार में कांडे स्यालडोबा के ग्रामीणों ने भूमि संरक्षण से विकास कार्य कराए जाने, कांडे की सरपंच आशा देवी ने हरूमंदिर मोटर मार्ग में बरसात के दौरान आए मलबे को हटाने की मांग की जबकि मंडलसेरा के ग्रामीणों ने मंडलसेरा बाइपास मोटर मार्ग में स्पीड ब्रेकर बनाने व नालियों की सफाई की मांग की। मजियाखेत में पानी की किल्लत होने,मंडलसेरा के नरेंद्र सिंह बघरी ने शंभू दत्त जोशी के मकान से घिरौली नई पुल आनंदी एकेडमी तक सरयू नदी किनारे मोटर मार्ग बनाए जाने की मांग की। ढपटी के दान सिंह ने विजयपुर– ढपटी –बांसतोली मोटर मार्ग से आवासीय भवन को खतरा बताते हुए सुरक्षा दीवार बनाने की मांग की। उक्रांद नेता अर्जुन देव ने महनरबूंगा में पेयजल किल्लत की समस्या से निदान की मांग की। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल 18 लोगों ने शिकायतें व समस्याएं दर्ज कराई जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए उनके निदान के निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन की निरंतर शासन स्तर पर भी मॉनिटरिंग होती है। अधिकारी अपने स्तर पर प्रतिदिन पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही परिलक्षित होने पर संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने पेयजल, जल संस्थान,विद्युत, राजस्व व ग्राम्य विकास विभाग से संबंधित अधिक शिकायतें होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी विभागों को शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिक शिकायत होने पर अधिकारियों को तीन दिन के भीतर शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। कहा कि हैलो बागेश्वर में दर्ज शिकायतों का भी अधिकारी समय पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें।जनता दरबार में मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ कुमार आदित्य तिवारी, उपजिलाधिकारी मोनिका, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या, ईई जलसंस्थान सीएस देवड़ी, पीएमजीएसवाई अबरीश रावत, ग्रामीण निर्माण विभाग संजय भारती, लोनिवि संजय पांडे, सिंचाई केके जोशी, उद्यान अधिकारी आरके सिंह, कृषि अधिकारी राजेंद्र उप्रेती, सेवायोजन अधिकारी प्रवीण गोस्वामी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सिचाई नहर खोलने और सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने के लिए प्रदर्शन

बागेश्वर(उद संवाददाता)।नगर से सटे घनी आबादी क्षेत्र मंडलसेरा की समस्याओं की सुध नहीं लिए जाने से स्थानीय लोगों में रोष है, मंडलसेरा के ग्रामीण मंडलसेरा बायपास मार्ग से स्पीड ब्रेकर हटाए जाने और तत्काल स्पीड ब्रेकर दोबारा लगाए जाने के साथ ही बंद पड़ी सिंचाई नहर भी खोलने की मांग को लेकर जनता दरबार में पहुँचे। नाराज लोगों ने अपनी मांग को लेकर तहसील मुख्यालय में प्रदर्शन किया और जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि पिछले दिनों लोनिवि ने मंडलसेरा बायपास मार्ग पर

डामरीकरण कार्य किया। इस दौरान मार्ग पर बने सभी ब्रेकरों को हटा दिया है। जबकि क्षेत्र में सड़क कम चौड़ी होने से लगातार वाहनों की आवाजाही लगी रहने से और तेज स्पीड में फर्राटा मारने वाले बाइकर्स और तेज गति से वाहन चलाने वालों से क्षेत्र में सड़क हादसे होने की संभावना बनी रहती है, आए दिन सड़क पर दुर्घटना होती रहती है। उन्होंने जल्द स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है। इसके अलावा सड़क पर पानी निकासी के लिएबनाई गई नालियां ठीक नहीं होने से नाला निकास की भी समस्या बनी रहने से लोगों को परेशानिया होने पर नाराजगी जताई। बानरी तोक में सिंचाई विभाग की नहर लंबे समय से बंद है। इस कारण किसान अपने खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। कई बार कहने के बावजूद नहर ठीक नहीं की गई है।लोगों ने जिलाधिकारी से तीनों समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की है। मांग करने वालों में पूर्व सभासद कैलाश राम,रवि,पूजा, प्रभा पुष्पा,ज्योति जानकी, पुष्पा देवी, मंजू, कुसुम, ममता, बसंती आदि मौजूद रहे।

तुम जियो हजारों साल

अर्थव तनेजा के तीसरे जन्म दिन पर समस्त परिवारजनों एवं दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने बेटी के ससुरालियों से की मारपीट

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। बेटी के प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने उसके ससुरालियों से जमकर मारपीट की। मामलें में पुलिस ने 11 लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। शक्तिफार्म के गांव तिलियापुर निवासी करन कुमार ने बताया कि एक साल पहले उसने पड़ोस में रहने वाली पलक देवी से प्रेम विवाह किया था। विवाह करने के बाद से ही उसके ससुराली उससे रंजिश रखने लगे। रंजिश के चलते उन्होंने कई बार उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोप लगाया कि एक नवंबर की दोपहर गांव के ध्रुव चौहान, सुरेंद्र चौहान, विक्की, रिक्की, गौरी शंकर, रवि चौहान, संजय चौहान, पंकज चौहान, वीरेंद्र चौहान, अमन चौहान और चंद्र देवी धमकी देते हुए उसके घर में घुसे और उसकी मां चनवा देवी और बहन रेखा कुमारी को लाठी–डंडों से पीटा। ग्रामीणों ने बीच–बचाव कर मामले को शांत कराया। दो नवंबर को फिर उससे और उसकी दूसरी बहन प्रीति के साथ लाठी–डंडों से मारपीट की गई। हमले में दोनों लोग घायल हो गए थे। उक्त मामले मे पुलिस ने 11 लोगो के विरुद्ध केस दर्ज कर दिया है।

प्रकाश पर्व पर प्रभात फेरी का किया स्वागत

रूद्रपुर। श्री गुरूनानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली जा रही प्रभात फेरी का स्वागत गत दिवस स्त्री सत्संग सभा की प्रधान बीबी परमजीत कौर पम्मी के निवास स्थान पर धूमधाम से किया गया । इस अवसर पर गुरू नानक देव जी की महिमा का गुणगान किया गया और लंगर प्रसाद की सेवा की गयी। अंत में परमजीत कौर पम्मी ने सभी संगत का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हरि सिंह ग्रोवर,नरेश कुमार सेठ, जसविंदर सिक्का, मंगत सिंह, अजीत सिंह, गुरूबचन सिंह, गुरूजीत सिंह, जसपाल धमीजा आदि समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

मार्चुला की बस दुर्घटना हृदय विदारक : सुमित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जनपद अल्मोड़ा के मर्चुला में हुई बस दुर्घटना की हृदय विदारक खबर से गहरे आघात में हूं। विधायक सुमित हृदयेश ने घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में हुई जनहानि ने पूरे क्षेत्र को शोकमग्न कर दिया है। इस दुखद समय में उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जिन्होंने इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और अपने श्री चरणों में स्थान दें, साथ ही घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो।उन्होंने राज्य सरकार और प्रशासन से आग्रह किया कि वे प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करें और भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। सुमित ने कहा कि हमें एकजुट होकर इन कठिन क्षणों का सामना करना होगा और हर संभव प्रयास करना होगा कि पीड़ित परिवारों को मदद और संबल मिल सके।

पेज एक का शेष...

सुप्रीम कोर्ट ने ... ने 22 अक्तूबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 22 मार्च के अपने फैसले में कानून को संविधान के खिलाफ और धर्मनिरक्षेता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मदरसा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को नियमित स्कूलों में दाखिला देने का निर्देश दिया था। मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों को राहत देते हुए सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 5 अप्रैल को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को रद्द कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था कि मदरसों का नियमित करना राष्ट्रीय हित में है। आज फैसला सुनाते हुए पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला ठीक नहीं था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मदरसा एक्ट को भी सही बताया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से उत्तर प्रदेश के 16 हजार मदरसों को राहत मिल गई है। यानी अब उत्तर प्रदेश के अंदर मदरसे चलते रहेंगे। सूबे में मदरसों की कुल तादाद करीब 23,500 है। इनमें 16,513 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं। इसके अलावा करीब 8000 मदरसे गैर मान्यता प्राप्त हैं। मान्यता प्राप्त मदरसों में 560 ऐसे हैं, जो एडेड हैं। यानी 560 मदरसों का संचालन सरकारी पैसों से होता है। बता दें उत्तर प्रदेश में साल 2004 में मदरसा कानून बनाया गया था। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को उत्तर प्रदेश में मदरसा शिक्षा को विनियमित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। इस अधिनियम ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की स्थापना की, जो राज्य में मदरसों के प्रशासन और कामकाज की देखरेख के लिए जिम्मेदार एक वैधानिक निकाय है। इसके तहत मदरसा बोर्ड का गठन किया गया था। इसका मकसद मदरसा शिक्षा को सुव्यवस्थित करना था। इसमें अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामिक स्टडीज, तिब्ब (ट्रेडिशनल मेडिसिन), फिलोसॉफी जैसी शिक्षा को परिभाषित किया गया है। अधिनियम का पहला मकसद मदरसों में एक संरचित और सुसंगत पाठ्यक्रम सुनिश्चित करना है, जिससे शैक्षिक गुणवत्ता और मानकों को बढ़ावा मिले। इसका उद्देश्य धार्मिक शिक्षा को सामान्य विषयों के साथ इंटीग्रेट करना है, जिससे छात्रों को इस्लामी और समकालीन ज्ञान दोनों से लैस किया जा सके। बोर्ड में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य होते हैं, जिनमें इस्लामिक स्टडी के एक्सपर्ट और शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

बड़े सड़क हादसे...सड़कों के गड्ढे, तीव्र मोडो पर साइन बोर्ड का ना होना, ड्रिक एंड ड्राइव, ड्राइवर को नींद की झपकी आना आदि रही है। मगर सरकारी स्तर पर इनसे निपटने के प्रयास गंभीर प्रयास होते अभी तक नजर नहीं आए ।नतीजतन सड़क दुर्घटनाओं राज्यवासी लगातार अपनी जान गवां रहे हैं । जाहिर है कि उत्तराखंड की अब तक की सरकारें सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने की दिशा में पूरी तरह संजीदा नहीं रही है अन्यथा खराब सड़कों तथा खतरनाक स्थान पर पैराफिट और क्रैश बैरियर लगाने का काम प्रदेश में अब तक पूरा किया जा चुका होता।

नशे के खिलाफ ...लोगों ने नशे खिलाफ एकजुटता दिखाई। इस दौरान विधायक अरविंद पाण्डे ने कहा कि जैसे पाकिस्तान हिंदुस्तान का दुश्मन है ऐसे ही नशा भी हिंदुस्तान का दुश्मन है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि हिंदुस्तान से नशे को खत्म करना है, इस काम को सिर्फ सरकार और पुलिस ही नहीं कर सकती वो अपना काम कर रहे हैं। जनता को भी इस बुराई के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा। इसीलिए उन्होंने जनता से एक छोटा सा आहवान किया और इस आहवान पर हजारों की संख्या में लोग नशे के खिलाफ खड़े हो गये हैं। पाण्डे ने कहा कि पीएम मोदी के सपने को पूरा करने के लिए नौजवान आगे आ गये हैं। पाण्डे ने पद यात्रा में पहुंचे लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो नेता और माफिया नशे को बढ़ावा देते हैं उनका भी सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए, इसका संदेश भी आज हजारों की भीड़ ने दे दिया है। वहीं भाजपा नेता हिमांशु सरकार ने कहा कि जब प्रशासन फेल हो जाता है तो जनता को प्रशासन के भरोसे नहीं रहना चाहिए और खुद जागरूक होकर आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति एक युवा को नशे से मुक्त करने का संकल्प ले तो यह मुहिम सार्थक हो सकती है। हिमांशु सरकार ने कहा कि कुछ सफेदपोश लोग नशा माफियाओं को संरक्षण दे रहे हैं। इन सफेदपोशों ने पिछले दिनों नशे के खिलाफ खड़े हुए एसओ का भी ट्रांसफर करा दिया। इस मौके पर दिनेशपुर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सरकार, गूलरभोज नि वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता दुबे, हिमांशु सरकार, अनादी रंजन मंडल, तरुण दुबे, दीपक गोस्वामी, नारायण शाह, गोविंद मंडल, भोला शर्मा, राजेश नारंग, बादल ग्रोवर, संतोष गुप्ता,, योगेश पानू, नरेंद्र कोरंगा, हिम्मत सिंह कुंवर, रमेश कुमार, मनोज राय, विकास सरकार, सुकुमार सरकार,प्रोजीत मंडल, रोहित मंडल आदि मौजूद रहे।

बस की चपेट ... घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल पिता पिता को अस्पताल पहुंचाया जहां उसने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया । घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बस चालक को हिरासत में ले लिया साथ ही दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है।

सरकार उठाएगी मासूम..है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। एक मुख्यसेवक और परिवार के सदस्य के रूप में, मैं इस पीड़ा को समझता हूं। हमारा कर्तव्य है कि ऐसे विपरीत समय में एकजुट होकर प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करें और उनके जीवन को पुन: स्थिरता देने में अपना योगदान दें। बता दें

शादी का झांसा..की समस्त जानकारी अपने घरवालों को दी। जब इसकी शिकायत आरोपी युवक के परिवार वालों से की तो युवक के भाई ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार विद्युत चोरों के खिलाफ रपट दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विद्युत विभाग की टीम ने निरीक्षण के दौरान चार भवनों में विद्युत चोरी के मामले पकड़े। सभी भवन स्वामियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। जानकारी के अनुसार प्रकाश शाह उपखण्ड अधिकारी विद्युत वितरण उपखण्ड नवोदय साथी कर्मियों सुभाष चन्द्र शर्मा अवर अभियन्ता, भरत मिलन लाईन कर्मी, अमित कुमार सहायक अभियंता सर्तकता ईकाई कुमॉउ क्षेत्र हल्द्वानी के साथ विद्युत चैकिग करने के दौरान ईश्वर दत्त न्योलिया पुत्र श्री देवी दत्त नि अशोक वाटिका फौजी मटकोटा, राजू शर्मा पुत्र जय प्रकाश शमानिवासी अशोक वाटिका फौजी मटकोटा, ललित प्रसाद पुत्र कालू राम निवासी अशोक वाटिका फौजी कालोनी तथा श्रीमति प्रतिभा पत्नी मुकेश सिंह निवासी अशोक वाटिका फौजी कालोनी के भवनों में विद्युत चोरी के मामले देखे। टीम ने मौके पर विद्युत केबल कब्जे में ले ली। सभी उक्त भवन स्वामियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया गया है।

वरिष्ठ बैंक प्रबंधक की बाईक चोरी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात वाहन चोरों ने आवास विकास रिंग रोड़ पर बैंक के गेट पर खड़ी बैंक वरिष्ठ प्रबंधक की मोटरसाईकिल चोरी कर ली। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में अशोक कुमार श्रीवास्तव पुत्र रामदेव प्रसाद हाल निवासी बिम स्क्वायर कालोनी, भदईपुरा, किच्छा रोड़, रूद्रपुर, मूल निवासी बलजीतनगर नई दिल्ली ने कहा है कि वह आवास विकास एलआईसी के सामने रूद्रपुर स्थित केनरा बैंक का वरिष्ठ प्रबंधक है। 13 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे उन्होंने केनरा बैंक (पूर्व में सिंडिकेट बैंक) के नाम पर जारी मोटर साईकिल संख्या यूके 06एएम 0423 को केनरा बैंक सिडकुल ब्रांच आवास विकास के गेट पर खड़ा कर लॉक लगा दिया। लगभग1 बजे देखा तो उक्त मोटर साईकिल मौजूदा स्थान पर नही थी जो कि अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गयी है। पुलिस ने घटना की रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

शासन को मिली 11 जिलों में भूमि खरीद की जांच रिपोर्ट

नौ जिलों में भूमि के उपयोग के उल्लंघन के कई प्रकरण आये, हरिद्वार और नैनीताल जिले की रिपोर्ट तलब

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सोमवार को सचिवालय से भू कानून के संबंध में जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान भू कानून के प्रावधानों के विपरीत भूमि की खरीद फरोख्त अथवा भूमि खरीद सम्बंधित अनुमति के किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर Z A L R Act ds Sec 166/167 के तहत मुकदमा दर्ज करने के कड़े निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि विशेष प्रयोजन हेतु भू अनुमति प्राप्त होने पर भी उस भूमि का उस विशेष उद्देश्य के लिए उपयोग न करने पर अथवा किसी भी प्रकार से भू कानून के उल्लंघन की दशा में जिलाधिकारी द्वारा कड़ी कार्रवाई

सुनिश्चित की जाए। उन्होंने राज्य के 11 जनपदों से भूमि कानून संबंधी रिपोर्ट प्राप्त होने पर हरिद्वार तथा नैनीताल जनपद से भी मंगलवार तक रिपोर्ट तलब की। इस दौरान बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर के सुधांशु, श्री चंद्रेश यादव सहित सभी जिलों के जिलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मौजूद रहे। उत्तराखण्ड शासन द्वारा उ०प्र० जमींदारी विनाश और भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950 (समय-समय पर उत्तराखण्ड राज्य के परिप्रेक्ष्य में यथा संशोधित) के अन्तर्गत शासन/जनपद स्तर पर प्रदत्त भूमि क्रय की अनुमति के सापेक्ष क्रय की गयी भूमि अथवा आवासीय प्रयोजन हेतु बिना अनुमति के क्रय की गयी भूमि के उल्लंघन के संबंध में उत्तराखण्ड के समस्त जिलाधिकारियों को सूचना उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये थे। जिसके क्रम में जनपद हरिद्वार एवं नैनीताल को छोड़कर शेष 11 जनपदों से सूचना प्राप्त हुयी है। शासन द्वारा जनपद हरिद्वार एवं नैनीताल को सूचना उपलब्ध कराये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। 11 जनपद जिनके द्वारा सूचना उपलब्ध करायी गयी है, उनमें से जनपद रुद्रप्रयाग एवं चम्पावत में भू-उपयोग उल्लंघन का कोई प्रकरण प्रकाश में नहीं आया है तथा शेष 9 जनपदों में क्रय की गयी भूमि के उपयोग के उल्लंघन के कई प्रकरण प्रकाश में आये हैं। जिनमें से कुछ प्रकरणों में जनपद स्तर पर वाद संस्तुत कर कार्रवाई की गयी है। अवशेष प्रकरण जिनमें भूमि का निर्धारित प्रयोजन हेतु भू-उपयोग नहीं किया गया है, उनके संबंध में शासन द्वारा तत्काल विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित किये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं।

आग के ढेर पर बसा सितारगंज शहर !

लीकेज, कंडम दमकल वाहनों के भरोसे अग्नि सुरक्षा, खुली इंतजामों की पोल

सितारगंज(उद संवाददाता)। अग्निशमन विभाग के अधिकारी कंडम, लीकेज वाहनों के कारण आग से खेलने को मजबूर हैं। जिस कारण आमजन का जीवन, संपत्तियां आग के ढेर पर खड़ी दिखाई दे रही हैं। सोमवार को दुकान में हुए भीषण अग्नि हादसे में फायर ब्रिगेड के सुरक्षा इंतजामों की पोल खुली तो शहरवासी अग्नि हादसों को लेकर भयभीत हो गए है।अग्नि हादसे में अग्निशमन वाहनों के जवाब देने के बाद मजबूरन जल संस्थान से पानी का टैंकर मंगाया गया। शहर की बढ़ती आबादी के बीच फायर

ब्रिगेड के पास आग बुझाने के उपकरण कंडम, लीकेज हो गए हैं। शहर के लिए कृषि उत्पादन मंडी समिति में फायर ब्रिगेड का अस्थाई किराए पर अग्निशमन ऑफिस संचालित हो रहा हैं। जिसमें अग्निशमन विभाग के इमरजेंसी वाहन टैंक उपकरण जर्जर हो चुके हैं। दमकल वाहन लीकेज हैं। उनकी 15 वर्ष की अवधि भी पूरी हो चुकी है। लेकिन उन्हें बदला नहीं गया है। कंडम, लीकेज वाहनों के जिम्मे शहरवासियों के साथ ही उनकी संपत्तियों की सुरक्षा की जा रही हैं। सोमवार की रात जेल कैंप रोड में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में अचानक आग लग गई। तब जाकर अग्निशमन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था सामने आ सकी। विभाग जिन वाहनों को लेकर घटना स्थल पर पहुंच उनमें पानी ही नहीं था। दूसरा वाहन तकनीकी खराबी के कारण पानी सप्लाई नहीं कर सका। जिस वजह से दुकान स्वामी मेराज अली का लगभग 50 लाख रुपए का सामान जलकर नष्ट हो गया। इससे पहले दिवाली मेले में भी लीकेज और कंडम वाहनों के भरोसे शहर के लोगों की सुरक्षा की गई थीं। गाली मत रही की दिवाली के दौरान पटाखा बाजार और अन्य स्थलों पर अग्नि हादसे हुए होते तो शहर को राख बनने से रोका नहीं जा सकता। अग्निशमन अधिकारी दुर्गा सिंह भंडारी ने बताया कि विभाग के पास जो वाहन है वे पुराने हो चुके हैं। जिनमें लीकेज की समस्या हैं। उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया है।

लेफ्टीनेंट के पद पर चयनित रोहित के घर बधाई देने वालो का तांता

गदरपुर (उद संवाददाता)। सी डी एस की परीक्षा पास कर सेना में लेफ्टीनेंट के पद पर चयन होकर घर पहुंचे रोहित कम्बोज का ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों ने भव्य स्वागत किया । रोहित के घर बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है। सोमवार को ग्राम प्रधान संजय चौधरी व आम आदमी पार्टी व बंगाली मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष व्यापारी, आम आदमी पार्टी के गदरपुर

नगर अध्यक्ष शकील अहमद,सुशील भक्त,नगर उपाध्यक्ष मुजम्मिल हुसै,चेतन कांडपाल रोहित कंबोज के आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रोहित को पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी। वहीं पुत्र की इस कामयाबी के लिए रोहित के पिता ताराचंद कम्बोज को बधाई एवं शुभकामनाये दी।इस दौरान बूटा सिंह,सुरेंद्र सिंह,डॉ कश्मीर चन्द,जोगेंद्र सिंह परविंदर सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रभात फेरी का ग्राम खेमपुर में हुआ जोरदार स्वागत

गदरपुर(उद संवाददाता)। सिख धर्म के पहले गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित प्रभात फेरी का ग्राम खेमपुर में स्वागत करते हुए एक गुरमत समागम का भी आयोजन किया गया गुरुद्वारा साहिब खेमपुर केला खेड़ा में आयोजित गुरमत समागम का शुभारंभ भाई कुलदीप सिंह रागी द्वारा ,सतगुरु नानक प्रगटिया मिट्टी धुंध जग चानन होया, कलि तारण गुरु नानक आया एवं प्रगट भई सगले जुग अंतर गुरु नानक की वडियाई के साथ किया गया । धर्म प्रचार कमेटी श्री अमृतसर के काशीपुर क्षेत्र प्रचारक भाई हरजिंदर सिंह ने ,बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे के साथ गुर इतिहास श्रवण करवाते हुए गुरु वाले बनने का आहवान किया। सिख मिशनरी कॉलेज लुधियाना की गदरपुर इकाई के प्रचारक देवेंद्र सिंघ द्वारा गुरबाणी के मूल मंत्र एवं जपु जी साहिब की सूक्ष्म व्याख्या की । इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक

कमेटी के सेवादार हरजीत सिंह, कुलवंत सिंह, हरजिंदर सिंह, कुलदीप सिंह एवं जसवंत सिंह द्वारा वक्तताओं को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया इस अवसर पर नरेश सिंह सुरेंद्र सिंह मनोहर सिंह,परमजीत सिंह,अमृतपाल सिंह, जसवीर सिंह,सुरेंद्र सिंह, अजीत सिंह दिल जोगेंद्र सिंह सहित तमाम संगत द्वारा गुरु पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अरदास में शामिल होकर गुरु का लंगर रूपी प्रसाद भी ग्रहण किया ।

सिसौना में बहुउद्देश्यीय शिविर 10 को : सागर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए आगामी आगामी 10 नवम्बर को विकास खण्ड कार्यालय सिसौना सितारगंज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पत्रकारों से बातचीत करते जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित होने वाले इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश उच्च नयायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज कुमार तिवारी उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा अपने स्टॉल लगाकर लोगों को विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी देने के साथ ही उन्हें योजनाओं का लाभ देने के लिए विभागीय औपचारिकतायें पूरी की जायेंगी व योजनाओं से सम्बधित प्रचार

सामग्री वितरित की जायेगी। श्री सागर ने बताया कि नानकमता व सितारगंज में जनजाति समाज के लोगों की आबादी ज्यादा है। इसलिए इस क्षेत्र को शिविर के लिए चुना गया है। इसके साथ ही सम्पूर्ण जनपद के जनजाति लोगों को भी शिविर में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जनजाति समाज के लोगों को केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्या णकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि शिविर में पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड, पेंशन, जाति, दिव्यांग व आय प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल भी उपलब्ध कराये जायेंगे। वन व उद्यान विभाग द्वारा शिविर में आये लोगों को फलदार, छायादार व औषधीय पौधों का वितरण किया जायेगा। उन्होंने शिविर में आने पाले सभी लोगों से सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अपने साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो, आय व स्थाई निवास, जाति, विकलांगता प्रमााणपत्र, आधार व राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, की छायाप्रति व मूल प्रति लाने की अपील की है।